NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 8

8 सूक्तिस्तवकः

(सूक्तियों का गुच्छा)

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में संस्कृत साहित्य की कुछ सूक्तियों का संकलन है। 'सूक्ति' शब्द 'सु' उपसर्ग तथा 'उक्ति' शब्द से बना है। सु + उक्ति = 'सूक्ति' का अर्थ है–अच्छा वचन। अत्यल्प शब्दों में जीवन के बहुमूल्य तथ्यों को सुंदर ढंग से कहने के लिए संस्कृत साहित्य की सूक्तियाँ प्रसिद्ध हैं। यथा–

बालक से भी हितकर बात ग्रहण कर लेनी चाहिए, पुस्तक में पढ़ी बात जीवन में अपनानी चाहिए, मधुर वचन सबको खुश कर देते हैं, इत्यादि अच्छी बातें इन सूक्तियों में निहित हैं।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) बालादपि ग्रहीतव्यं युक्तमुक्तं मनीषिभिः।
रवेरविषये किं न प्रदीपस्य प्रकाशनम्॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : बालादपि (बालात् + अपि)–बच्चे अर्थात् अल्प बुद्धि वाले से भी (from a child or a person with less intelligance), **ग्रहीतव्यम्**–ग्रहण करना/सीख लेना चाहिए (should be accepted/learnt), **युक्तम्**–उपयुक्त/उचित (proper/appropriate), **उक्तम्**–कहा गया है (is said), **मनीषिभिः**–बुद्धिमानों द्वारा (by intellectuals, persons of great intellect.) **रवेरविषये (रवेः + अविषये)**–सूर्य के न होने पर (in the absence of the Sun), **प्रदीपस्य**–दीये का (of the candle), **प्रकाशनम्**–प्रकाश करना (spreading light)।

अन्वयः (Prose-order)
बालात् अपि युक्तं ग्रहीतव्यम् (इति) मनीषिभिः उक्तम्; किं रवेः अविषये प्रदीपस्य प्रकाशनम् न (भवति)?

सरलार्थ :
बच्चे अर्थात् अल्पबुद्धिवाले/मूर्ख से भी जो बात उचित है वह सीख लेनी चाहिए। ऐसा बुद्धिमानों द्वारा कहा गया है। क्या सूर्य की अनुपस्थिति में दीपक द्वारा प्रकाश नहीं किया जाता? (दीपक का प्रकाश नहीं किया जाता)।

भाव–अच्छी सीख, चाहे मूर्ख से भी मिले, तो भी ले लेनी चाहिए।

(ख) पुस्तके पठितः पाठः जीवने नैव साधितः।
किं भवेत् तेन पाठेन जीवने यो न सार्थकः॥

LearnCBSE.in

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **पुस्तके**–पुस्तक में (in the book), **पठितः**–पढ़ा गया, (that is read), **जीवने**–जीवन में (in life), **नैव (न + एव)**–नहीं (not), **साधितः**–अपनाया/उपयोग किया गया (practised/used), **किं भवेत्**–क्या लाभ (what is the use), **यो न (यः न)**–जो नहीं (t), **सार्थकः**–अर्थपूर्ण (meaningful)।

अन्वयः (Prose-order)

(यदि) पुस्तके पठितः पाठः जीवने न साधितः (तर्हि) यः (पाठः) जीवने सार्थकः न (अस्ति) तेन पाठेन किं भवेत्।

सरलार्थ :

(यदि) पुस्तक में पढ़ा गया पाठ जीवन में उपयोग में नहीं लाया गया तो जो (पाठ) जीवन में सार्थक नहीं उस पाठ से क्या लाभ?

भाव :

पुस्तक में पढ़ी हुई बातों को जीवन में अवश्य अपनाना चाहिए।

English Translation:

If a lesson that is read in a book is not made use of in life, then what is the use of that lesson.

(ग) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति मानवाः।
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **प्रियवाक्यप्रदानेन**–प्रिय वचन बोलने से (by speaking pleasant words), **तुष्यन्ति**–खुश होते हैं (become happy/satisfied), **तस्मात्**–इस कारण से (hence), **वक्तव्यम्**–बोलना चाहिए (should speak), **वचने**–बोलने में in speech, **का दरिद्रता**–कँजूसी/कृपणता क्यों हो (why be miserly)।

अन्वयः (Prose-order)

सर्वे मानवाः प्रियवाक्यप्रदानेन तुष्यन्ति; तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यम्; वचने का दरिद्रता (स्यात्)।

सरलार्थ :

सब मनुष्य प्रिय वचन कहे जाने पर प्रसन्न हो जाते हैं। इस कारण मधुर वचन ही बोलने चाहिए। वाणी के उपयोग में कंजूसी क्यों की जाए। अर्थात् उदार होकर अधिकाधिक मधुर वाणी का प्रयोग करना चाहिए।

भाव–मीठे बोल सबको प्रसन्न रखने का एकमात्र सरल साधन है।

English Translation:

All human beings when addressed with pleasant speech become satisfied/happy. Hence one should alway use pleasant words. Why be miserly in speech? One should be generous in the use of pleasant words, because it makes everyone happy.

(घ) गच्छन् पिपीलको याति योजनानां शतान्यपि।
अगच्छन् वैनतेयोऽपि पदमेकं न गच्छति॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **गच्छन्**–चलता हुआ (roaming, moving), **पिपीलकः**–चींटी (नर) ant (he), **याति**–जाता/जाती है (goes), **योजनानां**– योजनों का (योजन दूरी का एक माप) (of many 'yojanas', measure of distance equal to 12 kms), **शतानि अपि**–कई सौ (hundreds), **अगच्छन् न गच्छन्**–न जाता हुआ (one not on the move), **वैनतेयः**–गरुड़ पक्षी (Garuda the bird that flies very swiftly), **पदमेकम् (पदम् + एकम्)**–एक कदम (a single step)।

अन्वयः (Prose-order)

गच्छन् पिपीलकः योजनानां शतानि अपि याति; अगच्छन् वैनतेयः अपि एकं पदं न गच्छति।

सरलार्थ :

चलती हुई चींटी तो सैंकड़ों योजन की दूरी लाँघ जाती है किंतु न चलता हुआ गरुड़ भी एक कदम भी नहीं जाता अर्थात् आगे नहीं बढ़ता।

भाव–प्रयास करने से ही कार्य सिद्ध होते हैं अन्यथा नहीं।

English Translation:

Even an ant when on the move manages to cross hundreds of 'yojanas'. But even Garuda, when not moving, does not proceed even a single step.

(ङ) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः को भेदः पिककाकयोः।
वसंतसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः॥

शब्दार्थाः (Word Meanings) : **काकः**–कौवा (crow), **कृष्णः**–काला (black), **पिकः**–कोयल (cuckoo), **भेदः**–अंतर (difference), **पिककाकयोः**–कोयल और कौवे के मध्य (between the crow and the cuckoo), **वसन्तसमये प्राप्ते**–वसन्त काल आने पर (on arrival of spring time)।

अन्वयः (Prose-order)

काकः, कृष्णः, पिकः (अपि) कृष्णः (अस्ति), पिककाकयोः कः भेदः (अस्ति) वसंतमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः (इति भेदः स्पष्टः भवति)

सरलार्थः

कौआ काला होता है, कोयल भी काली होती है, कौए और कोयल में क्या अंतर है? वसंतकाल आने पर कौवा कौवा है और कोयल कोयल है। (यह बात स्पष्ट हो जाती है।)

भावः

वाह्य आकार के आधार पर आंतरिक गुणों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, किंतु समय आने पर आंतरिक गुण भी प्रकट हो जाते हैं।

English Translation:

The crow is black and the cuckoo is also black. What is the difference between the crow and the cuckoo? On arrival of spring time the crow is a crow and the cuckoo is a cuckoo i.e, their difference becomes clear in spring.

• अभ्यासः (Exercise) •

प्रश्नः 1. सर्वान् श्लोकान् सस्वरं गायत– (सब श्लोकों को सस्वर गाएँ– Recite all Shlokas in tune.)
उत्तरम्– छात्र स्वयं सस्वर गाएँ।

प्रश्नः 2. श्लोकांशान् योजयत– (श्लोकांशों का मिलान करें– Match the verses.)

(क)	(ख)
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं	सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
गच्छन् पिपीलको याति	जीवने यो न सार्थकः।
प्रियवाक्यप्रदानेन	को भेदः पिककाकयोः।
किं भवेत् तेन पाठेन	योजनानां शतान्यपि।
काकः कृष्णः पिकः कृष्णः	वचने का दरिद्रता।

उत्तरम्– (क) तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं — वचने का दरिद्रता।
(ख) गच्छन् पिपीलको याति — योजनानां शतान्यपि।
(ग) प्रियवाक्यप्रदानेन — सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
(घ) किं भवेत् तेन पाठेन — जीवने यो न सार्थकः।
(ङ) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः — को भेदः पिककाकयोः।

प्रश्नः 3. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत– (प्रश्नों के उत्तर लिखिए– Answer the questions.)
(क) सर्वे जन्तवः केन तुष्यन्ति?
(ख) पिककाकयोः भेदः कदा भवति?
(ग) कः गच्छन् योजनानां शतान्यपि याति?
(घ) अस्माभिः किं वक्तव्यम्?

उत्तरम्– (क) सर्वे जन्तवः प्रियवाक्य-प्रदानेन तुष्यन्ति।
(ख) वसन्तसमये पिककाकयोः भेदः भवति।
(ग) पिपीलकः गच्छन् योजनानां शतान्यपि याति।
(घ) अस्माभिः प्रियं वक्तव्यम्।

प्रश्नः 4. उचितकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुचितकथनानां समक्षं–'न' इति लिखत– (उचित, कथनों के सामने 'आम्' और अनूचित कथनों के सामने 'न' लिखिए– Write 'आम्' in front of the correct statement and 'न' in front of the incorrect one.)
(क) काकः कृष्णः न भवति। ☐
(ख) अस्माभिः प्रियं वक्तव्यम्। ☐
(ग) वसन्तसमये पिककाकयोः भेदः स्पष्टः भवति। ☐

LearnCBSE.in

(घ) वैनतेयः पशुः अस्ति। ☐
(ङ) वचने दरिद्रता न कर्त्तव्या। ☐

उत्तरम्– (क) न (ख) आम् (ग) आम् (घ) न (ङ) आम्

प्रश्नः 5. मञ्जूषातः समानार्थकानि पदानि चित्वा लिखत– (मञ्जूषा से समानार्थक पद चुनकर लिखिए– Pick out synonyms from the box and write.)

ग्रन्थे	कोकिलः	गरुड़ः	सूर्यस्य	कथने

वचने .....
वैनतेयः .....
पुस्तके .....
रवेः .....
पिकः .....

उत्तरम्– (क) कथने (ख) गरुड़ः (ग) ग्रन्थे (घ) सूर्यस्य (ङ) कोकिलः

प्रश्नः 6. विलोमपदानि योजयत– (विलोम शब्दों का मिलान कीजिए– Match the antonyms.)

(क)	(ख)
सार्थकः	आगच्छति
कृष्णः	श्वेतः
अनुक्तम्	दीपकस्य
गच्छति	उक्तम्
प्रदीपस्य	निरर्थकः

उत्तरम्– (क) सार्थकः – निरर्थकः (ख) कृष्णः – श्वेतः;
(ग) अनुक्तम् – उक्तम्; (घ) गच्छति – आगच्छति;
(ङ) प्रदीपस्य – दीपकस्य

अतिरिक्त-अभ्यासः

(1) **मञ्जूषातः उचितं पर्यायम् चित्वा लिखत।** (मञ्जूषा से उचित पर्यायवाची चुनकर रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए। Pick out the appropriate synonyms and fill in the blanks.)

मधुरवचनेन; प्रसन्नाः भवन्ति; ग्रंथ; अतः; मधुरम्; याति

(i) गच्छति .....
(ii) तुष्यन्ति .....
(iii) पुस्तकाम् .....

LearnCBSE.in

(iv) प्रियम् .....

(v) तस्मात् .....

(vi) प्रियवाक्यप्रदानेन .....

उत्तरम्– (i) याति (ii) प्रसन्नाः भवन्ति (iii) ग्रंथः (vi) मधुरम् (v) अतः (vi) मधुरवचनेन।

(2) मञ्जूषातः उचितं पदं चित्वा श्लोकांशान् पूरयत। (मञ्जूषा से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए। Pick out the correct option and fill in the blanks.)

वसन्तसमये; प्रकाशनम्; जीवने; पिपीलकः, प्रियम्।

(i) गच्छन् ..... याति योजनानां शतान्यपि।

(ii) रवेरविषये किं न प्रदीपस्य ..... ।

(iii) तस्मात् ..... हि वक्तव्यम्।

(iv) ..... प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः।

(v) किं भवेत् तेन पाठेन ..... यो न साधितः।

उत्तरम्– (i) पिपीलकः, (ii) प्रकाशनम्, (iii) प्रियम्, (vi) वसन्तसमये, (v) जीवने।

(3) शुद्धकथनस्य समक्षम् 'आम्' अशुद्धकथनस्य समक्षम् 'न' इति लिखत। (शुद्ध कथन के सामने 'आम्' तथा अशुद्ध कथन के सामने 'न' लिखिए। Write down 'yes' opposite to right statement and write 'no' opposite to wrong statement.)

(i) वसन्तसमये काकः न भवति।

(ii) पिककाकयोः भेदः न अस्ति।

(iii) वैनतेयः अगच्छन् अपि योजनानां शतानि गच्छति।

(iv) पुस्तके पठितः पाठः जीवने सार्थकः न भवेत्।

(v) सर्वदा प्रियं वक्तव्यम्।

उत्तरम्– (i) न (ii) न (iii) न (vi) न (v) आम्।

(4) अधोदत्तं श्लोकं पठत प्रश्नान् च उत्तरत। (निम्नलिखित श्लोक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Read the verse given below and answer the questions.)

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति मानवाः।
तस्मात् प्रियं हि वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥

I. एकपदेन उत्तरत–

(i) के तुष्यन्ति?

(ii) तस्मात् किं वक्तव्यम्?

उत्तरम्– (i) मानवाः (ii) मधुरम्

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत–

सर्वे केन तुष्यन्ति?

उत्तरम्–सर्वे मधुर-वचनेन तुष्यन्ति।

III. भाषिक-कार्यम्–

(i) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति मानवाः– अत्र कः कर्ता? (प्रियवाक्यप्रदानेन, सर्वे, मानवाः)

(ii) 'मानवाः तुष्यन्ति'–वाक्यम् एकवचने परिवर्तयत।

(iii) 'अप्रियम्' इति शब्दस्य किं विलोमपदम् अत्र प्रयुक्तम्?

(iv) 'प्रदानेन' इति पदे का विभक्ति?

उत्तरम्– (i) मानवाः (ii) मानवः तुष्यति (iii) प्रियं (iv) तृतीया

(5) श्लोकांशान् परस्परं मेलयत। (निम्नलिखित श्लोकों का उचित मिलान कीजिए। Match the following verses.)

(i) बालादपि ग्रहीतव्यम्	पदमेकं न गच्छति।
(ii) रवेरविषये किं न	काकः काकः पिकः पिकः।
(iii) अगच्छन् वैनतेयोऽपि	युक्तमुक्तं मनीषिभिः।
(iv) वसन्तसमये प्राप्ते	प्रदीपस्य प्रकाशनम्।

उत्तरम्– (i) बालादपि ग्रहीतव्यम् युक्तमुक्तं मनीषिभिः।

(ii) रवेरविषये किं न प्रदीपस्य प्रकाशनम्।

(iii) अगच्छन् वैनतेयोऽपि पदमेकं न गच्छति।

(iv) वसन्तसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः।

बहुविकल्पीयप्रश्नाः

(1) उचित-विकल्पेन रिक्तस्थानानि पूरयत। (उचित विकल्प द्वारा रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with the correct option.)

(i) ..... का दरिद्रता।	(जीवने, वचने, पुस्तके)
(ii) पुस्तके पठितः पाठः जीवने नैव ..... ।	(साधितः, सार्थकः, पिपीलकः)
(iii) अगच्छन् ..... अपि पदमेकं न गच्छति।	(पिपीलकः, वैनतेयः मानवः)
(iv) तस्मात् ..... हि वक्तव्यम्।	(युक्तम्, उक्तम्, प्रियम्)
(v) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे ..... मानवाः।	(गच्छन्ति, वसन्ति, तुष्यन्ति)

उत्तरम्– (i) वचने (ii) साधितः (iii) वैनतेयः (iv) प्रियम् (v) तुष्यन्ति

❑❑❑

********** END **********